अनिवार्य हिंदी
स्नातक प्रथम वर्ष - प्रथम सत्र
प्रथम प्रश्न पत्र (BAHL–111)

हिंदी कहानी: ईदगाह , मधुआ ,फूलो का कुर्ता, अपना अपना भाग्य, पंचलाइट , दाज्यू ,इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर ,डिप्टी कलेक्ट्री।

इकाई 1:

(अ) विधा के रूप में कहानी
(ब) हिंदी कहानी: संक्षिप्त रूपरेखा
(स) ईदगाह :कथावस्तु एवं शिल्प

इकाई 2 :

(अ)मधुआ:कथावस्तु एवं शिल्प
(ब)फूलों का कुर्ता :कथावस्तु एवं शिल्प
(स) अपना अपना भाग्य: कथावस्तु एवं शिल्प

इकाई 3:

(अ)पंचलाइट :कथावस्तु एवं शिल्प
(ब) दाज्यू :कथावस्तु एवं शिल्प
(स)इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर :कथावस्तु एवं शिल्प
(द)डिप्टी कलेक्ट्री: कथावस्तु एवं शिल्प

इकाई 4

(अ)हिंदी वर्तनी एवं वर्तनी– शुद्धि
(ब)वाक्य–शुद्धि
(स)उपसर्गों एवं प्रत्ययों से शब्द रचना
(द)विलोम एवं पर्याय।

द्वितीय सत्र
द्वितीय प्रश्न पत्र (BAHL–121)

उपन्यास :झांसी की रानी वृंदावन लाल वर्मा
संक्षेपण, पल्लवन ,निबंध लेखन ,रचनात्मक लेखन

इकाई 1:

(अ)झांसी की रानी :कथावस्तु ,
(ब)लक्ष्मीबाई का चरित्र
(स)स्त्री यथार्थ और झांसी की रानी

इकाई 2 :संक्षेपण/ पल्लवन

(अ)संक्षेपण :आशय
(ब)संक्षेपण; उदाहरण
(स) पल्लवन :आशय
(द) पल्लवन :उदाहरण

इकाई 3

(अ)निबंध से आशय
(ब)निबंध की शैलियाँ
(स)निबंध कैसे लिखें
(द)उदाहरण

इकाई 4

(अ)रचना लेखन से आशय
(ब)रचना लेखन कैसे करें
(स)उदाहरण

स्नातक द्वितीय वर्ष -तृतीय सत्र
तृतीय प्रश्न पत्र (BAHL–211)

1 रश्मिरथी (तीसरा सर्ग)रामधारी सिंह दिनकर
2 प्रतिनिधि हिंदी निबंध (पाठ्य निबंध) ईर्ष्या ,एक कुत्ता एक मैना, गेहूं बनाम गुलाब, शिव शंभू के चिट्ठे, मजदूरी और प्रेम

इकाई 1 रश्मिरथी

(अ) कविता के विभिन्न रूप
(ब)रश्मिरथी: कथावस्तु
(स)कर्ण का चरित्र
(द)भाषा एवं शिल्प

इकाई 2
(अ) विधा के रूप में निबंध
(ब)हिंदी निबंध :संक्षिप्त रूपरेखा
(स)ईर्ष्या: केंद्रीय विचार
(द)ईर्ष्या: शिल्प

इकाई 3

(अ)एक कुत्ता एक मैना :केंद्रीय विचार

(ब)एक कुत्ता एक मैना: शिल्प

(स)गेहूं बनाम गुलाब: केंद्रीय विचार

(द)गेहूं बनाम गुलाब: शिल्प

इकाई 4

(अ)शिव शंभू के चिट्ठे: केंद्रीय विचार

(ब)शिव शंभू के चिट्ठे: शिल्प

(स)मजदूरी और प्रेम :केंद्रीय विचार

(द)मजदूरी और प्रेम: शिल्प

चतुर्थ सत्र - चतुर्थ प्रश्न पत्र (BAHL–221)

इकाई 1

(अ) विधा के रूप में नाटक

(ब)हिंदी नाटक: संक्षिप्त रूपरेखा

इकाई 2

(अ)अंधेर नगरी :कथावस्तु

(ब)अंधेर नगरी का रूप

इकाई 3

(अ)अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न

(ब)अनेक के स्थान पर एक शब्द

(स)पत्र :आशय, भेद

(द)पत्र लेखन: सावधानियाँ

इकाई 4

(अ) मुहावरे

(ब) कहावतें

स्नातक तृतीय वर्ष - पंचम सत्र
पंचम प्रश्न पत्र (BAHL–311)

1: उपन्यास :आपका बंटी (मन्नू भंडारी)
2: हिंदी साहित्य के इतिहास की संक्षिप्त रूपरेखा
इकाई 1 : आपका बंटी
(अ)कथावस्तु और प्रमुख चरित्र
(ब)केंद्रीय समस्या
(स)आधुनिक परिवार व्यवस्था में परिवर्तन
(द)बाल मनोविज्ञान
इकाई 2
(अ)हिंदी साहित्य :काल विभाजन और नामकरण
(ब)आदिकाल :प्रमुख प्रवृत्तियाँ
(स)भक्तिकाल प्रमुख : प्रवृत्तियाँ
(द)रीतिकाल प्रमुख प्रवृत्तियाँ
इकाई 3
(अ)आधुनिकता और गद्य विधाओं का विकास
(ब)आधुनिक हिंदी कविता :छायावाद ,प्रगतिशील काव्य धारा (स) उपन्यास
(द)निबंध, नाटक और कहानी विधाओं का विकास

षष्ठ सत्र - षष्ठ प्रश्नपत्र (BAHL–321)
प्रतिनिधि हिंदी काव्य

1: कबीरदास
अ–मोको कहां ढूंढे बंदे
ब– न जाने तेरा सब कैसा है
स– मेरा तेरा मानव कैसे एक होई
2: मलिक मोहम्मद जायसी:
पद्मावत नागमती विरह खंड(जेठ, आषाढ़, सावन)
3: सूरदास
अ –खेलत में को कासो गुसाईं
ब –किलकत कान्ह घुटूरूवनी आवत
स –मुरली तऊ गुपालहिं भावति
4: तुलसीदास
अ – कीर के कागर ज्यों नृपचीर
ब –पुर तें निकसी रघुवीर वधू
स –सीस जटा अरु बाहु बिसाल
5: जयशंकर प्रसाद :
बीती विभावरी जाग री !, पेशोला की प्रतिध्वनि
6–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला:

संध्या सुंदरी, तोड़ती पत्थर
7–नागार्जुन :
शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद
8–अज्ञेय : नदी के द्वीप, दूर्वादल,
9–मुक्तिबोध: भूल गलती, मैं तुम लोगों से दूर हूं
10–भवानी प्रसाद मिश्र: सतपुड़ा के घने जंगल, सन्नाटा
11–दुष्यंत कुमार : कहां तो तय था चरागां ,हो गई है पीर

इकाई- 1

अ –भक्ति के सामाजिक निहितार्थ
ब–कबीर का सामाजिक निहितार्थ
स –तुलसी का काव्यसंसार
द –सूर का काव्यसंसार
ई –जायसी का काव्यसंसार

इकाई -2

अ –आधुनिक संवेदना और विचारबोध
ब –छायावादी कविता

स –निराला का काव्यसंसार
द –प्रसाद का काव्यसंसार

इकाई- 3

अ –प्रगतिशील काव्यधारा: सामान्य प्रवृत्तियाँ
ब –प्रयोगवाद और अज्ञेय की कविता
स –नागार्जुन और मुक्तिबोध का काव्यसंसार
D–भवानी प्रसाद मिश्र और दुष्यंत कुमार का काव्य संसार